ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–80
दिनांक– मंगलवार, 21 अक्टूबर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 63.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.8 एवं दोपहर में 34.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(22–26 अक्टूबर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22–26 अक्टूबर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31–33 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22–24 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 2–3 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है। 25–26 अक्टूबर को पुरवा हवा चल सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम को देखते हुए धान और खरीफ मक्का की परिपक्व फसल की कटाई और थ्रेसिंग की सलाह दी जाती है। फूलगोभी, बैगन, मिर्च और टमाटर जैसी सब्जियों की फसल में कीट/बीमारी के संक्रमण की नियमित निगरानी करें।
- रबी फसलों (मक्का, चना, मटर, राजमा एवं मेथी) की बुआई पूर्व खेत की साफ–सफाई एवं तैयारी करे। खेत के आसपास के मेड़, नालियॉ एवं रास्तो में उगे जंगलो की सफाई करें। गोबर की सड़ी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। शरदकालीन गन्ना की रोपाई करें।
- सरसों एवं राई की बुआई मौसम को देखते हुए करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद 66–197–3, राजेन्द्र सरसों–1 तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित हैं। बीज दर 5 किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई 30X10 से0मी0 पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास एवं 30 से 40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुशंसित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- धनियॉ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियॉ की अनुशंसित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 30X20 से0मी0 रखें। 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- लहसुन की बुआई छोटी–छोटी क्यारियों में करें। क्यारियों का आकार जिसमें चौराई 1 से 2 मीटर तथा लम्बाई 3 से 5 मीटर रखें। प्रत्येक 2 क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवश्य बनावें। गोदावरी (सेलेक्सन–1), श्वेता (सेलेक्सन–10), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी–11), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी–41), एग्रीफाउंड पार्वती (जी–313), जमुना सफेद–2 (जी0–50), जमुना सफेद–3 (जी0–282), जमुना सफेद–4 (जी0–323) एवं आर0ए0यू0 (जी–5) लहसुन की अनुशंसित किस्में है। बीज दर 300–500 किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 15ग10 से0मी0 रखें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 200 से 250 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास एवं 20–40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- मिर्च, फुलगोभी, टमाटर एवं बैगन की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। फुलगोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड 48 इ0सी0 दवा एक मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग–1, पूसा–2, पूसा स्नोवॉल–16, पूसा स्नोवॉल के–1 की बुआई नर्सरी में करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 20.0 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी